व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

हवाई चप्पल बनाना

के लिए

स्वयं सहायता समूह-युवक मंडल

एसएचजी/सीआईजी नाम	युवक मंडल
वीएफडीएस नाम	तनिहार
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	5
5.	कार्यकारिणीसारांश	6
6.	डीआय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादनप्रक्रियाओं	6
8.	उत्पादनयोजना	7
9.	बिक्रीऔर मार्केटिंग	7-8
10.	स्वोटविश्लेषण	8
11।	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	8
12.	विवरणअर्थशास्त्र का	9-10
13.	एआय और व्यय का विश्लेषण	10
14.	फंडमांग	11
15.	सूत्रों का कहना हैनिधि का	11
16.	प्रशिक्षण/क्षमताभवन निर्माण/कौशल उन्नयन	12
17.	गणनासम-विच्छेद बिंदु का	12
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	12
19.	निगरानीतरीका	12-13
20.	टिप्पणी	13
21.	समूह सदस्य की तस्वीरें	14
22.	समूह फोटो	15
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	16
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	17

1. परिचय-

युवक मंडलएसएचजी का गठन हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के तहत किया गया, जो वीएफडीएस तनिहार के अंतर्गत आता है।और रेंज कामलाहइस स्वयं सहायता समूह में 07 पुरुष शामिल हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से चप्पल बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) के रूप में अपनाने का फैसला किया। सदस्यों को पहले से ही इस व्यवसाय के बारे में जानकारी है और वे अपना खुद का चप्पल बनाने का व्यवसाय शुरू करने के लिए उत्सुक हैं।

कोई भी व्यक्ति छोटे पैमाने पर चप्पल बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकता है। चप्पल एक घरेलू उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु मानी जाती है और चप्पल बनाने की प्रक्रिया बहुत सरल है। एक छोटे पैमाने की इकाई से, सदस्य चप्पल का उत्पादन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, विनिर्माण कुछ सरल मशीनरी और मुख्य कच्चे माल के रूप में रबर शीट के साथ शुरू किया जा सकता है।

भारत में चप्पलों का बाजार बहुत बड़ा है क्योंकि लिंग, रोजगार की स्थिति, आवश्यक सामग्री, रंग, आकार, उपयोगिता आदि के मामले में भारतीय आबादी की व्यापक जनसांख्यिकी है। आजकल एक आवश्यकता होने के अलावा, यह विभिन्न डिज़ाइनों में उपलब्ध एक महत्वपूर्ण फैशन एक्सेसरी बन गई है। यह एक लाभदायक व्यवसाय है और इसमें तुलनात्मक रूप से कम निवेश की आवश्यकता होती है।.

चप्पल बनाने का व्यवसाय लघु उद्योग के अंतर्गत आता है। इसलिए व्यवसाय को एमएसएमई के तहत पंजीकृत कराना आवश्यक है। साथ ही, इस व्यवसाय से जुड़ी कुछ अन्य लाइसेंस और पंजीकरण प्रक्रियाएँ भी हैं। किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के लिए ट्रेड लाइसेंस जारी करना और RoC (कंपनियों के रजिस्ट्रार) के साथ पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसलिए निर्माता को अपनी कंपनी को पंजीकृत करना चाहिए और अपने उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू करने के लिए ट्रेड लाइसेंस के लिए आवेदन करना चाहिए।

RoC के साथ पंजीकरण करते समय, इस तरह के व्यवसाय के लिए LLP या OPC के रूप में पंजीकरण करना बेहतर होता है। अंत में, यदि आप इन चप्पलों के लिए अपना ब्रांड नाम रख रहे हैं तो उस स्थिति में ब्रांड नाम पर कॉपीराइट निर्माताओं द्वारा ISI से जारी किया जाना चाहिए।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	युवक मंडल तनिहार
2.	वीएफडीएस	तनिहार
3.	रेंज	कमलाह
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	तनिहार
6.	ब्लॉक ऑफिस	धरमपुर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	7 पुरुष
9.	गठन की तिथि	15/09/2019
10.	बैंक खाता सं.	87370100055176
11।	बैंक विवरण	हिमाचल ग्रामीण बैंक तिहरा आईएफएससी कोड : PUNB0HPGB04
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	50
13.	कुल बचत	30000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्रमांक	नाम	लिंग	पिता का नाम	पद का नाम	आयु	शिक्षा	वर्ग	संपर्क नंबर।
1.	राजेश कुमार	पुरुष	दुनी चंद	अध्यक्ष	33	एमसीए	सामान्य	8988524058
2.	कुलदीप पठानिया	पुरुष	जगदीश चंद	उपाध्यक्ष	38	एचएम	सामान्य	9855326817
3.	सुभाष चंद	पुरुष	प्रेम सिंह	सचिव	33	एमबीए	सामान्य	9418557561
4.	विशाल पठानिया	पुरुष	लेख राज	सदस्य/ कैशियर	26	राजनीतिक तकनीक	सामान्य	9459044309
5.	मुकुल वर्मा	पुरुष	केवल कृष्ण	सदस्य	26	10+2	सामान्य	8223882338
6.	अक्षय कुमार	पुरुष	कमलेशकुमार	सदस्य	23	बी ० ए	सामान्य	8219422601
7.	अक्षय	पुरुष	रूप लाल	सदस्य	28	बी.कॉम	सामान्य	9717498478

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	115 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	1 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	धरमपुर -15 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	सरकाघाट, मंडी- 25 किमी, 115 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी - 115 किमी सरकाघाट - 25 किमी धरमपुर- 15 किमी सैंडहोल -25 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	सरकाघाट, धरमपुर, संधोल, अवाह देवी, मंडी

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा चप्पल बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG के सभी सदस्यों द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। बाद में, यह समय कम हो जाएगा क्योंकि समूह के सदस्य मशीन का उपयोग करने में सहज होंगे। उत्पाद को शुरू में समूह द्वारा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	चप्पल बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों ने यह निर्णय इसलिए लिया है क्योंकि उन्हें चप्पल बनाने का अनुभव है। साथ ही लोगों के बीच चप्पलों की मांग भी लगातार बढ़ रही है।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

हवाई चप्पल बनाने की मशीन का प्रशिक्षण जेआईसीए परियोजना द्वारा आपूर्तिकर्ता के माध्यम से समूह सदस्यों को मौके पर ही मशीन पर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मौके पर प्रदर्शन सहित प्रशिक्षण का पूरा खर्च जेआईसीए परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

1. सबसे पहले रबर शीट को सोल कटिंग मशीन की मदद से काटा जाता है। ध्यान रहे कि पूरी शीट की कटिंग एक ही डाई से की जाए।
2. यदि मशीन उच्च गुणवत्ता की है तो कटिंग के दौरान ही चप्पल में फीते की जगह पर छेद कर दिए जाते हैं। कटिंग के बाद ग्राइंडिंग मशीन की सहायता से स्लीपर के आसपास के खुरदुरे भाग को समतल कर दिया जाता है।
3. एक बार चप्पलें छप जाने के बाद उन्हें कुछ समय के लिए सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है। जब वे सूख जाती हैं तो ड्रिलिंग मशीन की मदद से आवश्यक स्थानों पर किए गए छेदों को बड़ा कर दिया जाता है।
4. इस पट्टा डालने के बाद, मशीन की मदद से इसमें लेस डाली जाती है।
5. इस तरह चप्पलें तैयार कर बाजार में बिक्री के लिए भेज दी जाती हैं।

समूह में कुल 07 सदस्य होने के कारण वे कार्य को कुशलतापूर्वक करने में सक्षम होंगे। प्रत्येक मासिक बैठक में वे प्रत्येक सदस्य का कार्य विभाजित करेंगे तथा उनका मासिक उत्पाद लक्ष्य निर्धारित करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सदस्य की भूमिका में परिवर्तन भी कर सकेंगे।

8. उत्पादन योजना -

1.	उत्पादन चक्र	-
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	चप्पल बनाने का व्यवसाय स्थापित करने के लिए आवश्यक जनशक्ति होगी: 1- उत्पादन प्रबंधक 1- अकाउंटेंट 2-कुशल श्रमिक 3-अकुशल श्रमिक इसके अलावा इन श्रमिकों को उपकरण उपयोग, मशीनरी संचालन, सुरक्षा और सावधानियों के संबंध में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाना चाहिए।

3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा	रबर शीट - 10 शीट पट्टा शीट – 20 भूरे रंग का कार्डबोर्ड पेपर
6.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन	प्रति माह 10,000 जोड़ी चप्पलें

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाज़ार स्थान	मंडी, जोगिंदर नगर, पालमपुर, बैजनाथ
2	इकाई से दूरी	क्रमशः 120 किमी, 85 किमी, 110 किमी, 95 किमी।
3	उत्पादन बाज़ार/स्थानों की मांग	चप्पलों की मांग पूरे वर्ष रहती है।
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की विपणन रणनीति	चप्पलों का विपणन सभी बड़े और छोटे शहरों में किया जा सकता है। शहर की जूते की दुकानों में चप्पलें बेची जा सकती हैं। व्यापार बढ़ाने के लिए चप्पलें विभिन्न बड़े शॉपिंग मॉल्स में भी पहुंचती हैं। चप्पलों का प्रचार समाचार पत्रों, होर्डिंग्स, पोस्टरों आदि के माध्यम से किया जा सकता है।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है।
7	उत्पाद "नारा"	"एसएचजी का एक उत्पाद- युवक चप्पल"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.

- ✧ उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
- ✧ उत्पादन लागत कम है.

❖ कमजोरी-

- ✧ मशीन से चप्पल बनाने का अनुभव न होना।
- ✧ नये स्वयं सहायता समूह को प्रबंधन एवं योजना बनाते समय कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

❖ अवसर-

- ✧ बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
- ✧ घरेलू उत्पाद होने के कारण गांवों और शहरों में इसकी मांग अधिक है।

❖ खतरे/जोखिम-

- ✧ समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, उच्च जोखिम वहन क्षमता की कमी तथा समूह के सदस्यों के बीच श्रम वितरण में नेतृत्व की कमी।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपनी भूमिका तय करेंगे और जिम्मेदारी निभाना काम। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार बांटा जाएगा क्षमताएं.

❖ कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।

❖ कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	सोल कटिंग मशीन	1	1,00,000	1,00,000
2	छेद बनाने/ड्रिल मशीन	1	20,000	20,000
3	पट्टा मशीन	1	15,000	15,000
4	फिनिशिंग/पीसने की मशीन	1	12,000	12,000
5	रंग	मांग के अनुसार	2000	2000
कुल पूंजी लागत (ए) =		**149000.00**		

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	श्रम लागत	महीना	10×27	300/दिन	81,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1,000	1,000
3	पैकेजिंग सामग्री		रास	3000	3000
4	परिवहन	महीना		2,000	2,000
5	रबर शीट	प्रति शीट	10	550	5500
6	पट्टियाँपत्रक	आरएमटी	20	10	200
7	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	रास	2,000	2,000
8	भूरे रंग का कार्डबोर्ड पेपर	महीना	रास	0.2 प्रति शीट	500
कुल आवर्ती लागत (बी) = 95200					

सी. उत्पादन की लागत		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	95200
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	14,900
कुल = 110100		

डी. विक्रय मूल्य गणना				
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	मात्रा

1	चप्पल का उत्पादन	महीना	10000	-
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य	100 रुपये प्रति यूनिट	1000	100000

13. आय का विश्लेषणएवं व्यय (प्रति माह) -

क्र. सं.	विवरण	मात्रा
13.	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	14,900
14.	कुल आवर्ती लागत	95200
15.	कुल उत्पादन (चप्पल)	10,000
16.	विक्रय मूल्य (प्रति जोड़ी चप्पल)	90-100 रु.
17.	आय पीढ़ी	90,000-100000 रु.
18.	शुद्ध लाभ(आय सृजन- कुल आवर्ती लागत)	100000 -95200= 4800
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + श्रम लागत	4800+81000= 85800
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. निधि की आवश्यकता:

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,49,000	74500	74500
2	कुल आवर्ती लागत	95200	0	95200
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		2,94,200	1,24,500	1,69,700

15.निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का 50% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

13. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

14. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/[विक्रय मूल्य (प्रति जूता)-उत्पादन लागत (प्रति जूता)]

=1,49,000/(100-40)

= 2484

इस प्रक्रिया में 2484 चप्पलें बेचने के बाद लाभ-हानि प्राप्त हो जाएगी।

15. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण के रूप में होगा सीमा और सीसीएल के लिए है पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद चाहिए सीसीएल के माध्यम से भेजा जाएगा।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

16. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश

- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

17. टिप्पणी

- सबसे पहले, भारत में चप्पलों की मांग आराम और टिकाऊपन से आती है जो इस देश में काम और काम की प्रकृति के साथ आती है। इसलिए, वैश्विक ब्रांडों से प्रतिस्पर्धा के बावजूद यह स्थिर बनी हुई है।

- दूसरा, चप्पल बनाने का व्यवसाय पूंजी, मशीनरी और मानव शक्ति के मामले में कम निवेश के साथ आता है, जिससे बड़े उपभोक्ता बाजार की आवश्यकता पूरी होती है।

- अंत में, इस व्यवसाय के लिए लक्षित बाजार संपूर्ण भारतीय उपभोक्ता बाजार होगा क्योंकि इसकी यूएसपी, सामर्थ्य, गुणवत्ता और स्थायित्व है

18. व्यक्तिगत तस्वीरें:

राजेश कुमार

सुभाष पठानिया

विशाल पठानिया

अक्षय कुमार

राकेश कुमार

मुकुल वर्मा

अक्षय पठानिया

22. समूह फोटो:

स्वयं सहायता समूह का नाम:युवक मंडल **वीएफडीएस**:तनिहार रेंज: कमलाह वन मंडल : जोगिंदर नगर

23. संकल्प-सह-समूह-सहमति प्रपत्र:

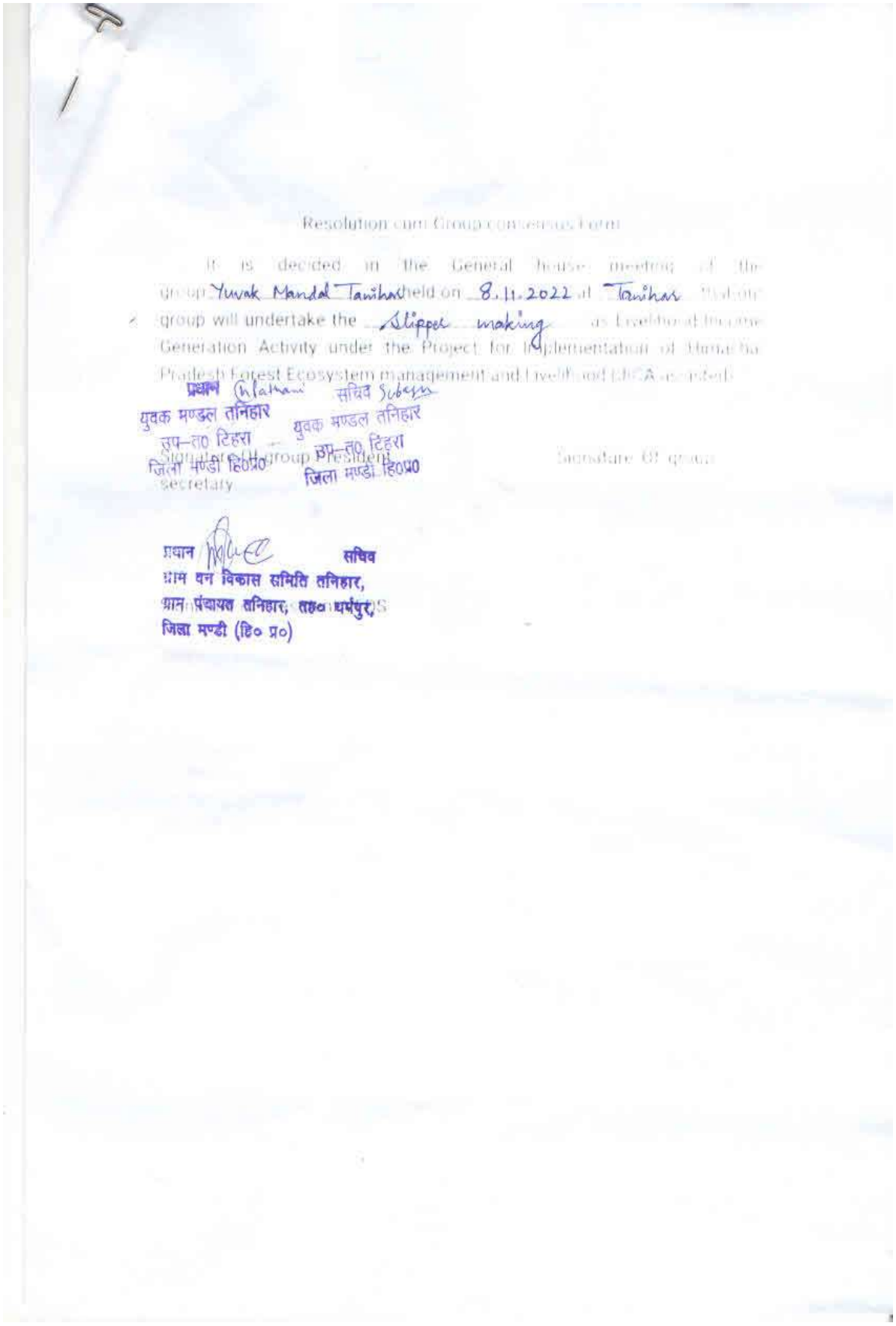

Resolution cum Group consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Yuvak Mandal Tanihar held on 8.11.2022 at Tanihar that the group will undertake the Slipper making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

प्रधान Chlatmani सचिव Subegn

युवक मण्डल तनिहार उप–त० टिहरा जिला मण्डी हि०प्र० — युवक मण्डल तनिहार उप–त० टिहरा जिला मण्डी हि०प्र०

Signature of group President secretary — Signature of group

प्रधान सचिव
ग्राम वन विकास समिति तनिहार,
ग्राम पंचायत तनिहार, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

24. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन:

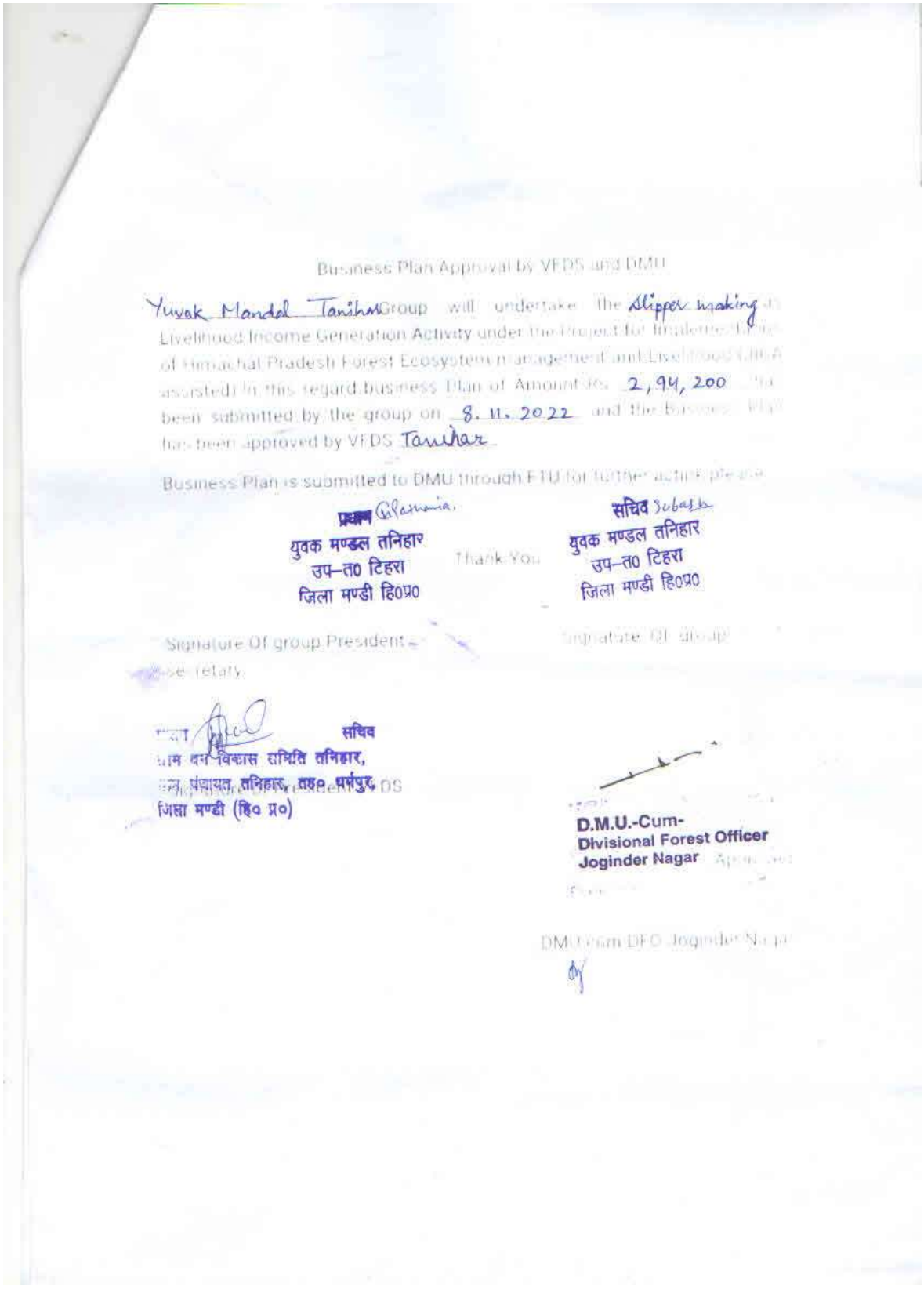

Business Plan Approval by VFDS and DMU

Yuvak Mandal Tanihar Group will undertake the Slipper making as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted) In this regard business Plan of Amount Rs. 2,94,200 has been submitted by the group on 8. 11. 2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Tanihar

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

प्रधान Gulamania
युवक मण्डल तनिहार
उप–त0 टिहरा
जिला मण्डी हि0प्र0

Thank You

सचिव Subash
युवक मण्डल तनिहार
उप–त0 टिहरा
जिला मण्डी हि0प्र0

Signature Of group President

Signature Of group Secretary

प्रधान सचिव
ग्राम वन विकास समिति तनिहार,
ग्राम पंचायत तनिहार, तह० धर्मपुर,
जिला मण्डी (हि० प्र०)

Signature Of President VFDS

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar